

श्री हलधर नाग

Shri Haladhar Nag



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री हलधर नाग

श्री हलधर नाग ओडिशा से एक ऐसे प्रसिद्ध कवि है जिन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर एक श्रेष्ठ स्थान बनाया है तथा कविता को जनसाधारण के निकट पंहुचाया है।

2. आपका जन्म ओडिशा के बारगढ़ जिले के एक निर्धन परिवार में 31 मार्च, 1950 को हुआ। आपकी स्कूली शिक्षा प्राइमरी स्तर पर ही छूट गई थी तथा आपने 16 वर्ष तक घेन्स हाई स्कूल के छात्रावास में एक रसोइए के रूप में काम किया। तथापि, आपकी कविता की सुन्दरता ने बहुत लोगों को आकर्षित किया। आपने अपनी साहित्य यात्रा पूर्ण रूप से अपनी पहली कविता "घोडो बारगाची" (द ओल्ड बनयान ट्री) के साथ शुरू की। आपका कार्य बहुत प्रचुर है तथा आपको कई कृतियों के सृजन का श्रेय जाता है जिसमें कविता संग्रह जैसे 'भाव', 'सूरूत' तथा 20 महाकाव्य जैसे 'अछिया', 'बादर', 'महासती उर्मिला', 'तारा मन्दोदरी', 'सिरी सामालाई', 'प्रेमपैचान', 'वीर सुरेन्द्र साईं', 'संत कवि भीमबोई', 'रूसी कवि गंगाधार' इत्यादि शामिल है। इनमें से अधिकतर कृतियां 'फ्रेन्ड्स प्रकाशक,' कटक द्वारा प्रकाशित हलधर ग्रंथावली के पहले खण्ड में शामिल हैं। सम्बलपुर विश्वविद्यालय अब आपके शेष कार्य को प्रकाशित करने के लिए 'हलधर ग्रंथावली–2' प्रकाशित कर रहा है जो विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम का भाग होगा।

3. आपने कई लंबी कविताएं तथा सैंकड़ों गीत लिखे हैं तथा आप अपनी स्वेच्छानुसार सृजन कर सकते हैं। आप जनता के बीच अपनी कृतियों का पाठ कर जनता को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। आप एक जीवंत आदर्श हैं जिनको अब तक 400 से अधिक संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है। सैंकड़ों युवा कवि आपकी शैली एवं तकनीक का अनुसरण करते है जिससे पश्चिम ओडिशा में एक सशक्त 'हलधर धारा' का प्रचलन हुआ है। आप शोषित वर्गों के लिए अपनी कविता के माध्यम से संघर्ष करते हैं तथा व्यक्ति के सम्मान पर आधारित सामाजिक परिवर्तन इस कवि–धर्म योद्धा के वरीयता के क्षेत्र है। आप संविधान की आठवीं अनुसूची में अपनी संबलपुरी–कोशली भाषा को शामिल करने वाले आंदोलन में अग्रणी हैं। उनको कई उपाधियां दी गई है जैसे ओडिशा भाषा साहित्य के ब्रान्ड राजदूत, कोशलकुइली, जादवाकुला गौरव, कोशलरत्ना, जादवज्योति, इत्यादि। आपको पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ इत्यादि विश्वविद्यालयों में आमंत्रित किया जाता है।

4. आपको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है यथा सम्बलपुर विश्वविद्यालय द्वारा ब्रह्मपुत्र पुरस्कार, आपको वर्ष 2014 में भाषा के विकास पर आपके कार्य के लिए ओडिशा साहित्य अकादमी द्वारा भी सम्मानित किया गया। आपको सम्मानित करने हेतु कई संस्थान जैसे लोक कवि हलधर सांस्कृतिक परिषद, लोक कवि हलधर बान विद्यालय, हलधर मण्डप इत्यादि स्थापित किए गए हैं। बी बी सी ने भी आपके जीवन पर एक वृत्तचित्र बनाया है और आपके कार्य और जीवन पर अब कुछ और वृत्तचित्र बनाए जा रहे हैं।

Shri Haladhar Nag

Shri Haladhar Nag is a renowned poet from Odisha , who has created a niche for himself and has brought poetry closer to the mass.

2. Born on March 31, 1950 in a poor family in Bargarh district of Odisha , Shri Nag , an elementary school dropout, worked as a cook in the hostel mess of Ghens High School for 16 long years. However, his poetic fragrance lured many. He initiated his full-fledged literary journey with his first poem "Dhodo Bargachh" (The old bunayan tree) in 1990. He has been very prolific and has a series of work to his credit including poetry collection like 'Bhaab', 'Surut' and more than 20 epics like 'Achhia', 'Bachhar', 'Mahasati Urmilla', 'Tara Mondodari', 'Siri Samalai', 'PremPaichan', 'Vir Surendra Sai', 'Santha Kabi Bhimabhoi', 'Rushi Kabi Gangadhar' etc. Most of these works are included in the first volume of the "Haldhar Granthabali" published by Friends Publisher, Cuttack. Sambalpur University in now coming up with "Haldhar Granthabali-2" to publish the remaning work of Nag, which will form a part of the University syllabus.

3. Shri Nag has authored a number of long poems and hundreds of lyrics and can compose at will. He goes on reciting his creation in public platforms enthralling audience. He is a living legend who has been felicitated by more than 400 institutions till now. Hundreds of budding poets imitate his style and technique boosting a robust "HaldharDhara" in Western Odisha. He fights for the oppressed through his writing and social reformation on the basis of human dignity is high on this Poet-Crusader's list. He has been at the forefront of the Sambalpuri-koshli language movement for inclusion in 8th schedule of Constitution. He has earned epithets like Brand Ambassador of Western Odisha language literature, Koshalkuili, Jadavakula Gourava, Koshal Ratna, Jadavjyoti etc. He is invited to universities in west Bengal, Andhra Pradesh and Chattisgarh etc.

4. Shri Nag has been honoured with many awards such as Brahmaputra Award by the Sambalpur University; He was also honoured by the Odisha Sathiya Academy for his work in development of language in the year 2014. In a tribute to the poet several institutions like Lok Kavi Hadhar Sanskrutik Parishad, Loka Kabi Haldhar Bana Bidyalaya, Haldhar Mandap etc have been established. Even the BBC has made a documentary film on his life and work. And now a few more documentaries on his work and life are in process.